भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
राज्य सभा
ल खत प्रश्न सं. 1431
गुरूवार, 28 जुलाई, 2022/06 श्रावण, 1944 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

प्रतिष्ठित पर्यटन स्थल के रूप में ममल्लापुरम

1431. श्री के. आर. एन. राजेश कुमारः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कः

(क) क्या अक्टूबर 2019 के दौरान भारत-चीन अनौपचारिक शखर वार्ता, त मलनाडु के ममल्लापुरम में आयोजित की गई थी;

(ख) क्या यह सच है क ममल्लापुरम को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल के रूप में वक सत करने का वादा कया गया था;

(ग) क्या त मलनाडु की राज्य सरकार ने ममल्लापुरम को प्रतिष्ठित पर्यटन स्थल के रूप में वक सत करने के लए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा है; और

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. कशन रेड्डी)

(क): जी, हां। भारत-चीन अनौपचारिक शखर सम्मेलन अक्टूबर 2019 में ममल्लापुरम में हुआ था।

(ख) से (घ): पर्यटन मंत्रालय ने ममल्लापुरम को 'प्रतिष्ठित पर्यटक गंतव्य' योजना के तहत वकास हेतु एक प्रतिष्ठित स्थल के रूप में चह्नित कया है। यह योजना अभी अनुमोदित नहीं है।

पर्यटन मंत्रालय ने अपनी 'स्वदेश दर्शन' योजना के तहत वर्ष 2016-17 में 73.13 करोड़ रू. से त मलनाडु में एक तटीय परिपथ परियोजना "(चेन्नई - ममल्लापुरम - रामेश्वरम - मनापद - कन्याकुमारी) के वकास " को स्वीकृति दी है। इस परियोजना में ममल्लापुरम उक्त गंतव्यों में से एक है। परियोजना भौतिक रूप से पूर्ण हो चुकी है।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने त मलनाडु सरकार द्वारा प्रस्तुत अर्जुन की तपस्या , ममल्लापुरम, त मलनाडु हेतु एनिमेशन टेक्नोलॉजी के साथ 3डी वजुअल लेज़र प्रोजेक्शन मै पंग के प्रस्ताव को सैद्धांतिक अनुमोदन भी प्रदान कर दिया है।

****